भारत सरकार

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 5383

जिसका उत्तर 25 मार्च, 2026 को दिया जाना है ।

04 चैत्र, 1948 (शक)

इलेक्ट्रॉनिक्स पुर्जा निर्माण योजना के अंतर्गत रोजगार सृजन

5383. श्री सी. एन. अन्नादुरईः
श्री जी. सेल्वमः

क्या **इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार को भारत के इलेक्ट्रॉनिक पुर्जा पारिस्थितिकी तंत्र को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से इलेक्ट्रॉनिक्स पुर्जा निर्माण योजना के अंतर्गत निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं;
(ख) यदि हां, तो प्रस्तावित परियोजनाओं की संख्या और कुल मूल्य सहित इन प्रस्तावों का राज्य-वार, विशेषकर तमिलनाडु में वितरण कितना है;
(ग) क्या उक्त योजना के अंतर्गत तमिलनाडु में बड़े पैमाने पर इलेक्ट्रॉनिक्स पुर्जा निर्माण इकाइयों या पुर्जा संकुलों को स्वीकृति प्रदान की गई है और यदि हां, तो उनके कार्यान्वयन की वर्तमान स्थिति क्या है;
(घ) इन अनुमोदित और प्रस्तावित परियोजनाओं से तमिलनाडु में कितना निवेश आने और रोजगार सृजन होने का अनुमान है; और
(ङ) क्या सरकार का तमिलनाडु को अतिरिक्त राजकोषीय प्रोत्साहन, प्लग एंड प्ले अवसंरचना या संभारतंत्र सहायता प्रदान करने का विचार है ताकि राज्य इलेक्ट्रॉनिक्स पुर्जा निर्माण के लिए एक अग्रणी राष्ट्रीय केन्द्र के रूप में उभर सके और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (श्री जितिन प्रसाद)

(क) से **(ङ)** माननीय प्रधानमंत्री के मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण से प्रेरित होकर, भारत सरकार ने इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण का एक संपूर्ण पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने के लिए कई नीतिगत पहलें की हैं।

सरकार इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए एक लक्षित और संरचित नीति का पालन कर रही है, जिसमें तैयार उत्पादों के निर्माण से लेकर सब-असेंबली तक और फिर इलेक्ट्रॉनिक्स के सेमीकंडक्टर और गैर-सेमीकंडक्टर दोनों घटकों को लक्षित किया जा रहा है।

भारत ने पिछले दशक में इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण में उल्लेखनीय वृद्धि अवलोकित की है, जो नीचे दी गई तालिका से स्पष्ट है:

#	**2014-15**	**2024-25**	**टिप्पणियां**
इलेक्ट्रॉनिक्स वस्तुओं का उत्पादन (₹)	~1.9 लाख करोड़	~11.3 लाख करोड़	6 गुना वृद्धि

इलेक्ट्रॉनिक्स वस्तुओं का निर्यात (₹)	~0.38 लाख करोड़	~3.3 लाख करोड़	8 गुना वृद्धि
मोबाइल फोन का उत्पादन (₹)	~0.18 लाख करोड़	~5.5 लाख करोड़	28 गुना वृद्धि
मोबाइल फोन का निर्यात (₹)	~0.01 लाख करोड़	~2 लाख करोड़	127 गुना वृद्धि

यह परिवर्तन पिछले दशक में विदेशी निवेश को आकर्षित करने, निर्यात प्रतिस्पर्धात्मकता को सुदृढ़ करने और भारत को वैश्विक इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण केंद्र के रूप में स्थापित करने के लिए सरकार द्वारा की गई विभिन्न पहलों के कारण संभव हुआ है।

इनमें से कुछ इस प्रकार हैं:

- बड़े पैमाने पर इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण के लिए उत्पादन-संबद्ध प्रोत्साहन (पीएलआई)
- आईटी हार्डवेयर के लिए उत्पादन-संबद्ध प्रोत्साहन (पीएलआई)
- इलेक्ट्रॉनिक घटकों और सेमीकंडक्टरों के विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए योजना (स्पेक्स)
- इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण क्लस्टर (ईएमसी और ईएमसी 2.0) योजना
- इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण घटक योजना (ईसीएमएस)
- सार्वजनिक खरीद में घरेलू स्तर पर निर्मित उत्पादों को प्राथमिकता देने के लिए सार्वजनिक खरीद (मेक इन इंडिया को प्राथमिकता) आदेश 2017
- पूंजीगत वस्तुओं पर मूल सीमा शुल्क पर छूट सहित टैरिफ ढांचे को युक्तिसंगत बनाने सहित कराधान में सुधार

<u>इलेक्ट्रॉनिक्स घटक विनिर्माण योजना (ईसीएमएस)</u>

इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र को गहरा और व्यापक बनाने के लिए, सरकार ने अप्रैल 2025 में इलेक्ट्रॉनिक्स घटक विनिर्माण योजना (ईसीएमएस) शुरू की।

इस योजना का उद्देश्य मूल्य श्रृंखला में निवेश (वैश्विक/घरेलू) को आकर्षित करके सुदृढ़ घटक विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करना है।

यह योजना उप-असेंबली जैसे डिस्प्ले मॉड्यूल, कैमरा मॉड्यूल, ऑप्टिकल ट्रांसीवर्स; प्रमुख घटक जैसे प्रिंटेड सर्किट बोर्ड (पीसीबी), पैसिव घटक, इलेक्ट्रो-मैकेनिकल घटक; इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण के लिए पूंजीगत उपकरण; तथा उनकी आपूर्ति श्रृंखला को कवर करती है।

<u>ईसीएमएस योजना पर प्रतिक्रिया:</u>

इस पहल को अब तक उद्योग से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली है। 59,350 करोड़ रुपये के लक्षित निवेश के मुकाबले 1.15 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं।

अब तक, ईसीएमएस योजना के तहत 11 राज्यों में 46 आवेदनों को मंजूरी दी गई है। इन आवेदनों से 54,567 करोड़ रुपये का निवेश आकर्षित होने की उम्मीद है, जिससे 3.67 लाख करोड़ रुपये का उत्पादन होगा और 50,794 प्रत्यक्ष रोजगार सृजित होंगे।

<u>तमिलनाडु में ईसीएमएस परियोजनाएं:</u>

46 स्वीकृत आवेदकों में से 11 तमिलनाडु में हैं। इन परियोजनाओं में 32,738 करोड़ रुपये का प्रस्तावित निवेश और 27,857 रोजगार सृजन है।

तमिलनाडु राज्य में अनुमोदित उत्पाद के साथ ऐसी अनुमोदित परियोजनाओं की सूची संलग्न है।

<u>इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण क्लस्टर</u>

सरकार विश्व स्तरीय इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण क्लस्टर (ईएमसी) बनाने के लिए एक योजना चला रही है।

ये ईएमसी इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण बुनियादी ढांचा, तैयार औद्योगिक भूखंड और रेडी बिल्ट फैक्ट्री (आरबीएफ)/प्लग-एंड-प्ले सुविधाएं प्रदान करते हैं।

तमिलनाडु राज्य में दो (02) ग्रीनफील्ड ईएमसी परियोजनाओं नामतः ईएमसी पिल्लापैक्कम और ईएमसी मनाल्लूर को अनुमोदित किया गया है। विवरण निम्नानुसार है:

ईएमसी पिल्लापैक्कम को 212.27 करोड़ रुपये की केंद्रीय वित्तीय सहायता के साथ 424.55 करोड़ रुपये के परियोजना परिव्यय के साथ मंजूरी दी गई है। यह 379.3 एकड़ के क्षेत्र को कवर करता है और इससे 8,737 करोड़ रुपये का निवेश आकर्षित होने और लगभग 14,519 व्यक्तियों के रोजगार सृजित किए जाने की उम्मीद है

ईएमसी मनल्लूर को 293.74 करोड़ रुपये की केंद्रीय वित्तीय सहायता के साथ 587.47 करोड़ रुपये के परियोजना परिव्यय के साथ मंजूरी दी गई है। यह 474.3 एकड़ क्षेत्र को कवर करता है और इससे 4,175 करोड़ रुपये का निवेश आकर्षित होने और लगभग 16,900 व्यक्तियों हेतु रोजगार सृजित किए जाने की उम्मीद है

*****

अनुबंध-I

ईसीएमएस के तहत तमिलनाडु राज्य में अनुमोदित आवेदकों का विवरण

क्रमांक	**आवेदक**	**उत्पाद**
1.	केनेस सर्किट्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड	मल्टी-लेयर पीसीबी
2.	टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स प्राइवेट लिमिटेड	मोबाइल, आईटी हार्डवेयर उत्पादों और संबंधित उपकरणों के लिए संलग्नक
3.	एचआई-क्यू इलेक्ट्रॉनिक्स प्राइवेट लिमिटेड	मल्टी-लेयर पीसीबी
4.	केनेस सर्किट्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड	लैमिनेट

5.	युझान टेक्नोलॉजी (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड	मोबाइल, आईटी हार्डवेयर उत्पादों और संबंधित उपकरणों के लिए संलग्नक
6.	केनेस सर्किट्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड	कैमरा मॉड्यूल उप-असेंबली
7.	मदरसन इलेक्ट्रॉनिक कंपोनेंट्स प्राइवेट लिमिटेड	मोबाइल, आईटी हार्डवेयर उत्पादों और संबंधित उपकरणों के लिए संलग्नक
8.	जेटकेम सप्लाई चेन सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड	ऑप्टिकल ट्रांसीवर - एसएफपी (स्माल फॉर्म-फैक्टर प्लगेबल)
9.	एएसयूएक्स सेफ्टी कंपोनेंट्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड	कैमरा मॉड्यूल उप-असेंबली
10.	केनेस सर्किट्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड	एचडीआई पीसीबी
11.	एसेंट सर्किट्स प्राइवेट लिमिटेड	मल्टी-लेयर पीसीबी

*****